'ज्ञान सरोवर' का प्रकाशन

1327. **श्री सिद्धेश्वर प्रसाद :**
डा० महादेव प्रसाद :

क्या शिक्षा मंत्री 1 दिसम्बर 1965 के अतारांकित प्रश्न संख्या 1604 के उत्तर के सम्बन्ध में यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) 'ज्ञान सरोवर' के प्रकाशन का काम जामिया मिलिया इस्लामिया को देने के क्या कारण थे;

(ख) इसके प्रकाशन का काम फिर सूचना और प्रसारण मंत्रालय के प्रकाशन विभाग को देने के क्या कारण हैं;

(ग) जामिया मिलिया को 'ज्ञान सरोवर' के प्रकाशन के लिए कितने रुपये दिये गये और अभी तक उसके हिसाब-किताब की लेखा-परीक्षा नहीं कराने के क्या कारण हैं;

(घ) सूचना और प्रसारण मंत्रालय द्वारा 'ज्ञान सरोवर' के शेष खंडों को प्रकाशित करने में विलम्ब होने के क्या कारण हैं; और

(ङ) 'ज्ञान सरोवर' के सभी खंड कब तक प्रकाशित कर दिये जायेंगे ?

शिक्षा मंत्रालय में उप-मंत्री (श्रीमती सौन्दरम रामचन्द्रन) : (क) हिन्दी में समाज शिक्षा साहित्य के प्रकाशन के क्षेत्र में उनके अनुभव को देखते हुए 'ज्ञान सरोवर' के प्रकाशन का कार्य जामिया मिलिया इस्लामिया को सौंपा गया था ।

(ख) किन्तु प्रगति की गति धीमी देखकर बाद में यह कार्य प्रकाशन प्रभाग को सौंप दिया गया था ।

(ग) उन्हें 1,88,007.34 रु० की राशि दी गई थी और जनवरी, 1961 तक लेखे महालेखाकार, केन्द्रीय राजस्व के पास आडिट के लिए भेज दिये गये थे ।

(घ) और (ङ). प्रकाशन प्रभाग पर अतिरिक्त कार्य के दबाव तथा राष्ट्रीय संकट के कारण भारत सरकार प्रैस के दबाव की वजह से इस पुस्तक का मुद्रण इतनी शीघ्रता से नहीं हुआ है जितना कि सामान्य परिस्थितियों में होना चाहिए था । शेष खण्डों को शीघ्र प्रकाशित करने के लिए प्रकाशन प्रभाग यथासंभव प्रयत्न करेगा ।

पत्रकारों के विरुद्ध जांच

1328. **श्री सिद्धेश्वर प्रसाद** : क्या गृह-कार्य मंत्री कुछ पत्रकारों की राष्ट्र विरोधी कार्यवाहियों के बारे में 1 दिसम्बर, 1965 के अतारांकित प्रश्न संख्या 1684 के उत्तर के सम्बन्ध में यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या इस मामले में जांच इस बीच पूरी हो चुकी है;

(ख) यदि हां, तो उसके क्या परिणाम निकले हैं; और

(ग) सरकार ने इस मामले में क्या कार्यवाही की है ?

गृह-कार्य मंत्रालय में राज्य-मंत्री तथा प्रतिरक्षा मंत्रालय में प्रतिरक्षा संभरण मंत्री (श्री हाथी) : (क) से (ग). संवाददाता द्वारा भेजे गए समाचारों की सरकार ने जांच की थी और सभी पहलुओं पर सावधानी से विचार करने के उपरान्त यह निर्णय किया गया है कि ऐसी कोई सामग्री नहीं है जो किसी तरह की कानूनी कार्यवाही या बन्दिश का औचित्य सिद्ध कर सके ।

Telephone Exchange, Padne (Kerala)

1329. **Shri Mohammed Koya:** Will the Minister of **Communications** be pleased to state:

(a) whether any decision was taken to start a telephone exchange in Padne, Kerala State;

(b) whether the telephone subscribers were asked to give advance deposits; and